धूमकेतू या पुच्छल तारे

- सूर्य से दूर ठण्डे व अँधेरे क्षेत्रों में रहते हुए सूर्य के चारों ओर अनियमित कक्षा या मार्ग में चक्कर लगाने वाले धूल व गैस से निर्मित आकाशीय पिण्ड जब कभी सूर्य के अपेक्षाकृत नजदीक आ जाते हैं, तो सूर्य के प्रकाश से प्रकाशित होने लगते हैं, तथा अधिक ऊष्मा पाकर इनके धरातल पर स्थित धूल व गैस के कण इनके धरातल को छोड़कर बाहर निकलने लगते हैं।

living in cold and dark regions away from the Sun, the celestial bodies made of dust and gas, which revolve around the sun in an irregular orbit or path, whenever they come relatively close to the sun (Relatively near) so they start getting illuminated by sunlight and after getting more heat. the dust and gas particles located on their surface start coming out leaving their surface.

- पृथ्वी से देखने पर एक पूँछ वाले तारे के समान आकृति दिखाई देती है, तथा इसे पुच्छल तारे की संज्ञा दे दी जाती है।

when viewed from earth a star like shape appears with a tail gives, and it is given the noun of comets.

- हैली पुच्छल तारा है, जो प्रति 76 वर्ष के बाद हमें दिखाई देता है।

Halley is a comet, which is visible to us after every 76 years.

- पुच्छल तारे की पूँछ हमेशा सूर्य के विपरीत दिशा में होती है।

The tail of a comet is always on the opposite side of the sun.

चंद्रमा (MOON)

- पृथ्वी का एकमात्र उपग्रह / The only satellite of the earth.
- पृथ्वी से न्यूनतम दूरी – 3,64,000 Km

Minimum distance from earth – 3,64,000 km

- पृथ्वी से अधिकतम दूरी – 4,06,000 Km

Maximum distance from earth – 4,06,000 km.

- पृथ्वी से औसत दूरी – 3,84,000 Km

Average distance from Earth – 3,84,000 km.

- चंद्रमा से प्रकाश के पृथ्वी तक आने में लगा समय – 1.3 sec

Time taken by the light to reach the earth from the moon – 1.3 sec. (Approx.)

- परिक्रमण अवधि – 27 दिन, 7 घण्टे, 43 मिनट, 11 सैकेन्ड

Revolution – 27 Days, 7 hour, 43 minute, 11 sec.

- घूर्णन अवधि – 27 दिन, 7 घण्टे, 43 मिनट, 11 से०

- चंद्रमा पर पहुँचने वाला प्रथम व्यक्ति – नील आर्मस्ट्रांग
  अपोलो – 11 20 जुलाई 1969

The first person to reach the moon – Neil Armstrong (Apollo – 11 20 July 1969)

- चंद्रमा पर पहुँचने वाला पहला अंतरिक्ष यान – लूना (1966)

The first spacecraft to reach the moon – luna (1966)

- चंद्रमा पर वायुमण्डल – अनुपस्थित

Atmosphere on Moon – Absent

- सबसे ऊँचा पर्वत (चंद्रमा) – लीबानिट्ज

Highest mountain (Moon) – Leibnitz

- चंद्रमा का अदृश्य भाग – 41 %

Visible part of the Moon – 41 %

- हम चंद्रमा के दीप्त भाग को ही देख पाते हैं। चंद्रमा के अधिकतम 59% भाग को पृथ्वी की सतह से देखा जा सकता है।

We can only the bright part of the moon. Maximum 59% of the moon can be seen from the surface of the Earth.

- चंद्रमा के 41% भाग को पृथ्वी से कभी भी नहीं देखा जा सकता है, क्योंकि चंद्रमा की अक्षीय व कक्षीय गति समान होती है।

ROJGAR WITH ANKIT

8% of it can be seen only at certain times. 41% of the moon can never be seen from the earth because the moon's rotation and revolution motion are the same.